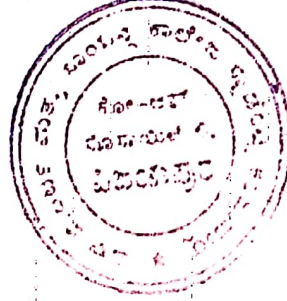


B.L.D.E. Association's

**S. B. Arts & K.C.P. Science College,
VIJAYAPUR- 586 103.**



ASSIGNMENT

For B.A./B.Sc. IV Semester
2016 - 2017

Name of the Student Anil. Pathod
Roll No. 40 R.C.U. Seat No. A1549013
Subject Hindi optional

Assignment No.	Date	Marks Assigned	Marks Obtained	Name and Signature of Teacher	Remarks
1	22/3/17	03	03	Dr. S. P. Merwade <i>[Signature]</i>	
2					
3					
4					

मैथिलीशरण गुप्त द्वारा लिखित मनुष्यता कविता में व्यक्त कवि के विचारों पर चर्चा कीजिए :-

कवि परिचय :- नाम - मैथिलीशरण गुप्त
गाँव - उत्तर प्रदेश के चिरगाँव
जन्म - 1886
मृत्यु - 1964
कविता - आँसू में आँसू, आशु - आशी ।

मैथिलीशरण गुप्त कहते हैं। इंसानता का अच्छी तरह से विचार करने की तूम आज या कल मश्नेवाले हि हैं क्योंकि वृद्धे मृत्यु निश्चित हैं। तूम उमर नहीं हो। इंसानिता मीत कभी भी इसे मर मरना ही हि है। लेकिन मरना मरे की सभी याद कर सके। तूमहारे मृत्यु पर लालची - कशेडो लीला प्रेम से आँसु बहा सकते हैं। जो मनुष्य अपने लिए अपने स्वर्ग के लिए जिवन बिताता हैं। जिवित होते हुवे भी मृत्यु के सम्मान दिखाई देता हैं। जो मनुष्य अपने लिए जिवन बिता है। वह केवल पशु की तरह दिखाई देता हैं। जो मनुष्य। जो मनुष्य दूसरे के लिए कार्य करता करता हैं। उसके मृत्यु के बाद भी वह मनुष्य कहलते हैं। मैथिलीशरण गुप्त जी ने उसी मानव के यह उदाहरण की कथा इस कविता में बतानी गयी है। उसी उदाहरण की धरती हमेशा शक्ति कीर्ती धरती पर गुंज उठती हैं। मरना व्यवृती की शरी अृषी उसी उदार व्यक्ती को पुजती रहती हैं। इस प्रकार यह अंकुष प्रेम का भाव विश्व पर निर्माण कर सकेने वही मनुष्य हैं। जो अन्य मनुष्य के लिए मरे। मनुष्य को दूसरे के प्रति अहानुभूति चाहिए तभी वह महान युष्मृति सकता हैं। स्वयं सभी विश्व को अपने वश में कर सकता हैं। भगवान गौतम बुद्ध के खिलाफ जो लीला से उनका देश भाव गौतम बुद्ध के दया प्रहावमें अह गये हैं।

मनुष्य को दूसरे के प्रति अहानुभूति रहना चाहिए। वही वह महान युष्मृति कर सकता हैं। स्वयं सभी विश्व को अपने वश में बना सकता हैं।

जिस्की पति हमारी ओर है और अपने घर
की ओर जा रहा है। तो उसे रोकना नहीं जा सकता
उसे जाने दिया जा सकता। अगर जो हमारी
ओर देखेगा तो अपने परिवार से बहि मिला
पायेगा अगर उसका मुंह हमारी ओर होता तो
जो जो हमारी लिंग अज्ञान व्यति हि रहता।
अर उसकी परिवार के तरफ अगर उसका मुंह
घर की तरफ रहेगा तो उसके परिवारवालों को
अमीयता से देख सकता है। जिसके साथ
अम्बुधी का इतिहास होना और हीर हीरी
प्रतिक्षा करती राना की तक सम्पूर्ण अम्बुधन कथा।

विनमर काम करके, मेहनत करके दो पैसे
कमाता है और घर जाते समय अपने बच्चों के
लिंग खाने के लिंग चुसमूरा लेकर, जल्दी-जल्दी
जाने का प्रयास करता है। और खिलौने लेकर और
विशयित अपने बिलि के लिंग कुछ लेकर जाता है।
घर जाने के लिंग जो इतना उत्सुक है की सुर्य
जो घसी राप बहि सकता। विनमर अपने बच्चे और
बच्चों की मा से बुर शुकूर पुरि लिंग के
खुशी हि कुछ और हीरि है। कुछलोग हीरि है
कमाते है दो इलाया ही रान कुछ पिजाते है।
और कुछ लोग अपने परिवार के बारे में
सोचते है।

निश्चय से उधार होना।
व्यापकता की ओर ध्यान देना।